चहकने की ललक

परिवर्तन
PARIVARTAN
समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतु तक्षशिला की पहल

TAKSHILA
तक्षशिला

अंक – बीस
दिसम्बर 2021 – मार्च 2022

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों,

मैं हूँ चहकने की ललक। हर बार की तरह इस बार भी अंक 20 में मेरे बाल लेखकों ने मेरे बारे में बहुत कुछ अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद उन बाल लेखकों में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखकों ने मुझे खुद से तैयार किया हैं एवं कवितायें, कहानियाँ, लेख, आपबीती चुटकुला जैसी कई सुन्दर रचनाओं व चित्रों से मुझे सजाया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया जिसमे मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया। उस दरमियाँ उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचना लिखते रहे। आशा करता हूँ कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखेंगे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है। इस अखबार में सभी बच्चे अपने-अपने कला को दिखाने की कोशिश करते है।

आपका साथी

चहकने की ललक

कविता

आसमान में उड़ी पतंगें

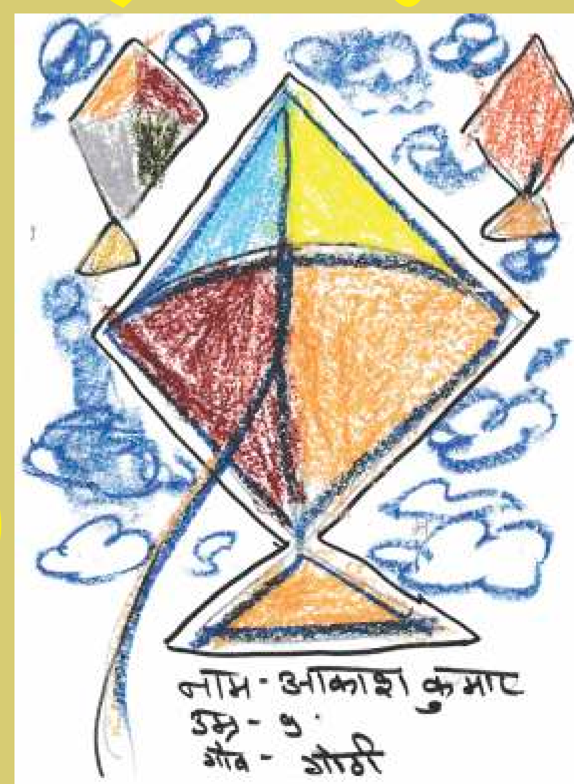

निकले सब लेकर पतंगे
सुंदर और रंगीन पतंगे
उड़ा रहे हम बहुत पतंगे
देखो चारों ओर पतंगे
पर लगाने बढ़ी पतंगे
आसमान में उड़ी पतंगे
करें एक दूसरे से भेंट पतंगे
अरे कहां फस गई पतंगे
देखो तो कट गई पतंगे
आसमान में उड़ी पतंग

नाम : समीर अनवर अंसारी, कक्षा : 6, ग्राम : मियां भटकन

लेख

सरस्वती पूजा

सरस्वती पूजा इस साल 5 फरवरी को मनाया गया। सरस्वती पूजा स्कूल में मनाया जाता है। और घर के अगल-बगल भी लोग पैसे जुटाकर मनाते है। सरस्वती पूजा के दिन हमलोग बहुत खुश होते हैं। सरस्वती माता के कपडा का रंग उजला होता है। जब सरस्वती माता हमारे गाँव आती है तो सब लोग उन्हें देखने के लिए जाते है। सरस्वती माता का पूजा भी करते है। सरस्वती माता के विसर्जन के दिन डीजे भी बजता है। उस दिन हमलोग दिन भर डांस भी करते है। सरस्वती पूजा के दिन, हमलोग प्रसाद भी खाते है।

नाम : अनु कुमारी, वर्ग : 4

लेख

रंग-बिरंगे पतंग

जब मैं अपने विद्यालय और कोचिंग से पढ़ाई करके आता हूं, तो अपने घर छत पर चढ़कर पतंग उड़ाता हूं। हम लोग अपने हाथों से पुराने पेपर से पतंग बनाकर उड़ाते हैं, और हम लोग दुकान और बाजार से खरीद कर लाते हैं, और उड़ाते भी हैं, और दुकान और बाजार में कई रंग बिरंगे मिलते हैं और हम लोग उसे उड़ा कर बहुत ही खुश होते हैं, और हम लोग लगभग 2 महीने से उड़ाना शुरू करते है।

नाम : धर्मेंद्र कुमार मिश्रा
ग्राम : बंगरा उज्जैन, कक्षा : 7

लेख

खिचडी दिवस

खिचडी ठण्डी के दिन 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन सभी घरो में खिचडी दिवस मनाया जाता है। इस दिन मेरे घर पे सुबह-सुबह सभी स्नान करते है और चावल, लाई, तिल को छूते हैं और वो तिल लाई, चावल को पण्डितजी को देते है। और अनाज छूने के बाद हमलोग लाई-दही तील खाते हैं, और 1-2 बजे खिचडी खाते है। मेरी मम्मी खिचडी बनाती है। तो उस दिन खिचडी अलग तरह से बनाती है उस दिन की खिचडी बहुत स्वादिस्ट होती है। उसमे चावल, दाल, सोयाबीन, आलू लौकी डालती है। और मैं उसमे घी डालती हूँ तो वह बहुत अच्छा हो जाता है। इस दिन पतंग भी उड़ाया जाता है।

नाम : दीपिका कुमारी, वर्ग : 8, उम्र 13 उज्जैन बंगरा

लेख

पतंग बनाना और उड़ाना

हम पतंग बनाते हैं और उसमें धागा बांधते हैं, और उसमें एक लंबी पूछ लगाते हैं, और उसमें अपने दोस्तों के साथ मिलकर उड़ाते है। कभी-कभी पतंग को मैं अपने घर भी उड़ाते है। मेरी दादी बहुत डांटती है, और हम अपनी पतंग को बांधकर ही कहीं इधर-उधर जाती हूं और मुझे पतंग उड़ाना बहुत अच्छा लगता है। एक बार मैं पतंग उड़ाते उड़ाते अपने छत से नीचे गिर गए, और मुझे बहुत चोट भी लगी थी गिरने के बाद मेरी दादी आई और हम को पकड़ कर रोने लगी, और बोलने लगी कि आज के बाद मुझको पतंग नहीं उड़ाना है और मेरी पतंग तोड़ कर फेंक दी।

नाम : मिष्टी कुमारी, वर्ग : 3, गाँव : भरौली

ठंडी का महीना

ठंडी का मौसम आता है। तब हम लोग बहुत सारा कपड़ा पहनते है। सुबह के समय टोपी स्वेटर शॉल लुकाकर निकालते है। रात के समय सब लोग अपने अपने घर में घुस जाते है। ओढ़ना बिछावना में घुस जाते है। सुबह में बहुत ज्यादा ठंडी पड़ती है। और ठंडी के मौसम में स्वादिष्ट खाना पकता है। और खाने में मजा आता है। ठंडी का मौसम हमें अच्छा लगता है।

नाम : प्रिया कुमारी, वर्ग : 5, ग्राम : बंगरा उज्जैन

लेख

लेख

हमारी पतंग

हम पतंग बनाते हैं, और उसमें धागा बांधते हैं, और उसमें पूछ लगाते हैं, और लटाई लेकर, उसे अपने दोस्तों के साथ उड़ाने के लिए फील्ड पर जाते हैं, और जब हम घर पर पतंग उड़ाते हैं, तो मेरी दादी बहुत डांटती भी है, और हम पतंग की बांध को कही ले जाकर पतंग काट देते हैं, और मुझे पतंग उड़ाना बहुत अच्छा लगता हैं, और हम पतंग घर पर पुराने पेपर और तिनके और सेलो टेप से तैयार करते हैं, या लेई घर पर आटा और पानी से घर पर तैयार करते है। मुझे पतंग उड़ाना बहुत अच्छा लगता हैं, और मेरे पतंग को कोई काट देता है, तो बहुत गुस्सा आता है हमारा पतंग बहुत कम कटता है।

नाम : आशीष तिवारी, वर्ग : 7, ग्राम : गोंठी

चुटकुले

टीचर: आपको पता है हम पानी क्यों पीते हैं?
बच्चा : क्योंकि पानी हम खा नहीं सकते।

पिता : मैं चाहता हूँ कि तुम बड़े होकर वकील बनो
बेटा : ऐसा क्यों?
पिता : ताकि मेरा काला कोट तुम्हारे काम आ जाये।

नाम : अमृता कुमारी, वर्ग : 3, ग्राम : नरेन्द्रपुर

चुटकुला

टीचर: छोटी मधुमक्खी तुम्हे क्या देती हैं?
बच्चा : शहद
टीचर : पतली बकरी
बच्चा : दूध
टीचर : और मोटी भैंस
बच्चा : होमवर्क
दे थप्पड़ ... दे थप्पड़

नाम : विराट कुमार, उम्र : 8, ग्राम : बाबु भटकन

आगामी थीम

लू, जेठ कि दोपहर, पेड़-पौधे, आम का बगीचा

कविता

मम्मी कि याद आने लगी

शीतल पवन घुसने लगी
ठंड बहुत जोर से लगने लगी
रात जैसे-तैसे बीतने लगी
ठंड से दांत कटकटाने लगी
रजाई की याद आने लगी
आग भी अब दूर जाने लगी
मम्मी की याद आने लगी
ठंड हमें सताने लगी
मम्मी की याद आने लगी

नाम : रौशन राजा, कक्षा : 6, ग्राम : मियां के भटकन

लेख

सरस्वतीजी की मूर्ति

इस साल सरस्वती पूजा 5 फरवरी को बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। सरस्वती पूजा हमारे स्कूल में भी मनाया जाता है, और हमारे गांव में भी बहुत जगह मनाया जाता है। हमारे घर के बगल में भी सरस्वती जी की मूर्ति रखी गई थी उस मूर्ति को हम लोग 5 दिन खूब पूजा किए, और 5 दिन रखने के बाद हमारे मोहल्ले के बहुत सारे बच्चे ने मूर्ति को विसर्जन भी किए, और ले जाकर पानी में डाल दिए।

नाम : रोशनी कुमारी, उम्र : 13, कक्षा : 7

शिक्षक की कलम से

शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम

किसी भी देश के विकास में शिक्षकों की क्या भूमिका होती है? यह बात यदि जाननी है तो भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक जिन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है, स्वर्गीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन को देखा जाना चाहिए। देश के सबसे बड़े ओहदे पर पहुंचने के बाद भी शिक्षक बने रहना। राष्ट्रपति के पद से निवृत होने के तुरंत बाद, शिक्षक के कार्य को अपनाना एवं पूर्व राष्ट्रपति के स्थान पर कार्यरत प्रोफेसर कहलाना, उन्हें ज्यादा पसंद था। एक बेहद ही साधारण परिवार में जन्मे अपने मेहनत और लगन से सफलता प्राप्त कर राष्ट्रपति पद तक का सर्वोच्च सफर कर जीवन के अंतिम काल में भी शिक्षा एवं शिक्षण पद्धति से जुड़कर देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में हमेशा अपनी सर्वस्व न्योछावर करना, उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। उनका मानना था कि शिक्षा और शिक्षित समाज ही विकसित देश का सपना साकार कर सकती है। इस प्रकार डॉक्टर अब्दुल कलाम शिक्षकों के साथ साथ हम सभी भारत वासियों के लिए प्रेरणा के स्रोत रहेंगे।

सुधीर सिंह, प्रशिक्षक - विज्ञानशाला, परिवर्तन

आपबीती

मैं अपने मामा के घर गई थी मेरे मामा के घर के पास एक लड़की की मां ने उसके दादाजी को फोन लगाकर बात करने के लिए कही थोड़ी देर के बाद उसकी मां ने उसे फोन लाने के लिए कहा वह लड़की फोन लेकर आ रही थी तभी अचानक लाइट कट गया लड़की आ रही थी आगे कुआं था लाइट कटने की वजह से उसे कुआं नहीं दिखा और वह गलती से कुएं में पैर डाल दी और कुएं में गिरकर उसकी मौत हो गई।

नाम : साक्षी कुमारी, क्लास : 7, गांव : बाबू भटकन

हमारे बाल चित्रकार

कविता

माँ, तू है ज्ञान की भण्डार

मां कैसे तेरी अर्चना करूं
दिल कह रहा है तेरी वंदना करूं
मां तू ज्ञान की गंगा पुस्तक हाथ लिए
तुझमें ज्ञान का भंडार मां तू अक्षर कहलाए
मीठी बोली हर किसी के मन को भाए,
मां तू ही वाणी की स्वरा कहलाए

नाम : इमरान हुसैन, कक्षा : 6, ग्राम : मियां भटकन